

[illegible]

मम यदं २० वनासिवात॥ ॥ २० यदं न सा यदं २० म्वायू॥ ॥ २०
॥ सतसि कनक गुणाना॥ एक काल॥ यदं स म्मद्रु॥ वल्लन दय
विष्णु द वना॥ दूर्ध्वा य निजागु॥ ॥ २० वा वा दाना॥ नाक काना॥ तुल्य गभा॥ उ
दवाले॥ शनि स्थल कुरु॥ कर्कश नासा॥ अथ शुभा काना॥ लन वर्ण॥ ॥ २० निरु
न दय॥ समस्त भा कर्वा वव॥ द वय क पायू॥ विद्या सयू॥ दसा दिक॥ म्वद
वान लिढ॥ वाना य॥ वा दा व न काना॥ खा ल लिढ॥ मिथ्या च ॥ २० द क स्य
लिढ॥ नाक स वाक॥ वन नाल दय॥ या गा॥ अमयायू॥ लानि॥ क्षो वा ल क
दय॥ स्नान लायक॥ काय भा वा दय॥ खू य य न स दय॥ चि नाल॥ को
म ला व॥ भव स्वय मद्र व॥ अमान मद्राल॥ उ ॥ २० या गा दय॥ ॥ २०

य न जाय॥ माया वृद्धि दय॥ कला द मद्रा व॥ ॥ २० वा व व न स॥ कुरु म
दय॥ स्नान नाल दय॥ भुक्ति स न य दय॥ ॥ २० न ॥ २० वा व॥ आ दा ल॥ ना द
वा ल॥ वा य॥ या द॥ अथ य॥ अथु लिढ॥ अकिर्ण॥ क कुरु॥ मिथ्या स्य
॥ २० ना गा॥ अकाल मिथु द॥ क कुरु॥ ॥ २० ना य द॥ १२ वे सय॥ सान था य द॥ २०
को नि व दं ॥ २० ॥ २० न ॥ २० य दं न सा॥ व य दं द॥ २० म्वायू॥ ॥ २० वृद्ध स न क
गुणाना॥ दि नाल॥ गि सति मद्रु॥ अदि अद वना॥ ॥ २० कथा य निजागु॥ क व
कि वा लाना॥ मद्रु क काना॥ शनि स्थल कुरु॥ या द॥ क म्म ना सि॥ नि म ना सि
न व र्ण॥ अमये न॥ ग्या दा य मिथ्या॥ समस्त नाल स दय॥ खू य न क य य
नि दय॥ विद सस भु मि॥ ना क स दय॥ लि ॥ २० भु लि द य॥ अन

तयु॥ कस न ॥ अक्र न सयु॥ विचा सयु॥ कनु ना धु ल॥ धन नु अक ॥
जाय ययु॥ न न ययु॥ निव न काय सयु॥ सित स्व ला व ल ह ॥ म खि स क
स्या न न कू य ययु॥ जाया वृ द्वि द य॥ भ द आ सा या य॥ अं ह का ति॥ क व
या रु य॥ क्क ॥ मा थ क्क ॥ द य ५ का य भा वा द य॥ क्क ॥ ल र क य॥ आ स कि व
दे ति वा नां ना व॥ ध न ग य ला त॥ आ हा त॥ ना ॥ दा ॥ स म र्क य य॥ धा तु ॥
धाना ॥ अ क्क ॥ थ न स्य क ॥ क क्क ॥ अ ति ला त॥ रि द्द ॥ अ का त॥ मि तु र्द ३ ॥ दा
॥ क ॥ य ॥ ले मि न्वा स्मा क शाल द य दं १ ॥ अ मि सा म ॥ द्या न स्या क्क दं २९ ॥
॥ न न न दं ३ ॥ न ग्रा सी स द्या ल द य ॥ ध न क्क य रु म सा ॥ य य दं ४०
॥ ॥ क ॥ रु न क्क ५ ॥ दा न॥ दि गाल ॥ यै व च ला ति स क्क ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

रुद्राय नमः ॥ इत्येता माहाकाल विनायक ॥ कामालिः ॥ त्रियिथिमाहाकृत ॥ रुद्रि
 नाग ॥ अग्निनगिनि ॥ कृष्णक ॥ २॥ ३॥ ४॥ इत्येता ॥ ५॥ वाक ॥ त्रिलसहीत ॥ कुल
 सविक ॥ यथियायानः ॥ कृष्ण ॥ नागयातासहि ॥ तलमाः ॥ नसहित ॥ यिथि
 समं साद्रुतियायमालया ॥ कृष्णमंगसा ॥ तमाहाकालयूजा ॥ कामालि ॥ य
 थमालयति ॥ यिलयताया ॥ नागयूजा ॥ रुद्रयाताखालयात ॥ इडाइ ॥ रुद्र
 वालि ॥ यथायुजायन ॥ विनयकयूजाय ॥ रुद्रिनि यूजाय ॥ स्वस्वा रुद्रं नि
 ध्यात् ॥ मया ल कृतशशा ॥ १॥ २॥ ३॥ ४॥ ५॥ ६॥ ७॥ ८॥ ९॥ १०॥ ११॥ १२॥ १३॥ १४॥ १५॥ १६॥ १७॥ १८॥ १९॥ २०॥ २१॥ २२॥ २३॥ २४॥ २५॥ २६॥ २७॥ २८॥ २९॥ ३०॥ ३१॥ ३२॥ ३३॥ ३४॥ ३५॥ ३६॥ ३७॥ ३८॥ ३९॥ ४०॥ ४१॥ ४२॥ ४३॥ ४४॥ ४५॥ ४६॥ ४७॥ ४८॥ ४९॥ ५०॥ ५१॥ ५२॥ ५३॥ ५४॥ ५५॥ ५६॥ ५७॥ ५८॥ ५९॥ ६०॥ ६१॥ ६२॥ ६३॥ ६४॥ ६५॥ ६६॥ ६७॥ ६८॥ ६९॥ ७०॥ ७१॥ ७२॥ ७३॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥ ८७॥ ८८॥ ८९॥ ९०॥ ९१॥ ९२॥ ९३॥ ९४॥ ९५॥ ९६॥ ९७॥ ९८॥ ९९॥ १००॥